

एम एस टी सी
लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)



MSTC
LIMITED
(A Govt. Of India Enterprise)

वेस्ट रीसाइक्लिंग
पर्यावरण की रक्षा
विकास को बढ़ावा



Recycling Waste
Protecting Environment
Promoting Growth

हमारे प्रेरणास्रोत माननीय मंत्री श्री बेनी प्रसाद वर्माजी एमएसटीसी के कार्यों की समीक्षा करते हुए
Our inspiring Minister Hon'ble Shri Beni Prasad Vermaji reviewing the work of MSTC



एमएसटीसी का जायजा लेते हुए

While taking stock of MSTC

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक माननीय मंत्री का स्वागत करते हुए
Chairman & Managing Director welcoming Hon'ble Minister



माननीय केन्द्रीय इस्पात मंत्री अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एमएसटीसी सीएमडी से विचार विमर्श करते हुए।

Hon'ble Minister interacting CMD, MSTC with his high official team.

श्री डी आर एस चौधुरी, सचिव (स्टील) के दक्ष मार्गदर्शन के तहत
Under able guidance of our Secretary (Steel) Shri D R S Chaudhri





47

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report

2011-12

निदेशक मंडल Board of Directors	2
दृष्टि एवं ध्येय Vision & Mission	4
अध्यक्षीय भाषण Chairman's Statement	6
निदेशक मंडल की रिपोर्ट Directors' Report	8
लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	38
तुलन-पत्र Balance Sheet	46
लाभ-हानि खाता Profit & Loss Accounts	47
नगद प्रवाह ब्यौरा Cash Flow Statement	48
वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां Notes to Financial Statements	49
सहायक कंपनी का विवरण Statement regarding subsidiary company	75
सहायक कंपनी फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड का प्रतिवेदन एवं लेखा: Accounts & Report of subsidiary company: Ferro Scrap Nigam Limited	



श्री एस. के. त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

Shri S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director

निदेशक मंडल Board of Directors



श्री जे. पी. शुक्ला
Shri J. P. Shukla



श्री जी. एस. चुघ
Shri G. S. Chugh



श्री एल. सिद्धार्थ सिंह
Shri L. Siddhartha Singh



श्री ए. के. बसु
Shri A. K. Basu



श्री बी. बी. सिंह
Shri B. B. Singh



श्री के. एल. मेहरोत्रा
Shri K. L. Mehrotra



श्री डी. पी. सिंह
Shri D. P. Singh



श्री डी. बी. सिंह
(18.08.11 से 24.04.12 तक)
Shri D. B. Singh
(from 18.08.11 to 24.04.12)



श्री सूरज भान
(24.04.12 से)
Shri Suraj Bhan
(from 24.04.12)

प्रबंधन दल Management Team as 31.03.2012



श्री एस. एस. चौधुरी
मुख्य महा प्रबंधक (मा.स.प्र.)
Shri S. S. Chaudhuri
CGM (HRM)



सुश्री मधुमिता बसु
मुख्य सतर्कता अधिकारी
Ms. Madhumita Basu
CVO



श्री ए. के. दस्तदार
मुख्य महाप्रबंधक (सीपी)
Shri A. K. Dastidar
CGM (CP)



श्री तापस बसु
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
Shri Tapas Basu
GM (F&A)



श्री अशोक कुमार
महाप्रबंधक (बीडी)
Shri Ashok Kumar
GM (BD)



श्री डी. चक्रवर्ती
महाप्रबंधक (मार्केटिंग)
Shri D Chakraborty
GM (Mktg.)



श्री टी. के. चटर्जी
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
Shri T K Chatterjee
GM (F&A)

कंपनी सचिव

श्री सुब्रत कुमार राय

Company Secretary

Shri Subrata Kumar Ray

लेखापरीक्षक

मेसर्स पी. डी. रूंगटा एंड कंपनी
सनदी लेखापरीक्षक

Auditors

M/s. P. D. Rungta & Co.
Chartered Accountants

बैंकर्स

आईसीआईसीआई बैंक

एचडीएफसी बैंक

बैंक ऑफ इंडिया

इंडियन बैंक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

पंजाब नेशनल बैंक

युनाईटेड बैंक ऑफ इंडिया

Bankers

ICICI Bank

HDFC Bank

Bank of India

Indian Bank

Union Bank of India

State Bank of India

Punjab National Bank

United Bank of India

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय

225-सी आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड

कोलकाता 700 020

दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 2287 7557 / 0568 / 9627

फैक्स : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176

ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

Registered & Head Office

225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road

Kolkata 700 020

Phone : (+91 33) 2290 0964, 2287 7557 / 0568 / 9627

Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176

E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

Registrar and Transfer Agents :

C B Management Services (P) Ltd.

P-22, Bondel Road, Kolkata - 700019

रजिस्ट्रार एवं ट्रान्सफर एजेंट्स :

सी बी मैनेजमेंट सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड

पी-22, बंदेल रोड, कोलकाता - 700019



दृष्टि एवं ध्येय

Vision & Mission

दृष्टिकोण

ट्रेडिंग व्यवसाय में विशेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना।

मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा ई-कॉमर्स के माध्यम से पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

लक्ष्य

- (क) देसी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप में उभरना और इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार घरानों के साथ क्रमिक रूप से संयुक्त रूप से गठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लाजिस्टिक का विकास करना।
- (ख) सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्कैप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारा के लिए योजना बनाना और आयोजित करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।
- (ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट के ट्रांजिक्शनल विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-ट्रांजिक्शन प्रोत्साहित करना।
- (घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15% आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।
- (ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।
- (च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।
- (छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम माईनिंग, लॉजिस्टिक, वेयरहाऊसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for various commodities handled by it making transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

OBJECTIVES

- a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.
- b) To plan and organise disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularise e-auction.
- c) To promote e-commerce/e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.
- d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.
- e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associates.
- f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.
- g) To achieve the aforesaid objectives, promote joint ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

एमएसटीसी आज भारत में ई-कामर्स की सबसे बड़ी स्वतंत्र कंपनी है। इस कंपनी की प्रति कर्मचारी रु. 57.20 लाख कर पूर्व लाभ है। यह संभवतः भारतीय कंपनियों में सबसे अधिक है। एमएसटीसी आज श्रेणी-एक की मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र की उपक्रम है। यह इस्पात मन्त्रालय के प्रशासनाधीन शेड्यूल बी कंपनी है।

एमएसटीसी लिमिटेड का गठन 1964 में हुआ था। एक छोटी-सी ट्रेडिंग कंपनी आज एक बहुउत्पाद ट्रेडिंग कंपनी में बदल चुकी है। यह भारतीय उद्योग के इस्पात एवं संबंधित क्षेत्र के आयातित और देशीय कच्चे माल की सोर्सिंग करने के रूप में मुख्य भूमिका अदा कर रही है।

एमएसटीसी का प्रधान कार्यालय कोलकाता में है। इसका आज क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई और मुंबई में है। शाखा कार्यालय बेंगलूर, बड़ौदा एवं विशाखापत्तनम में है। चार फिल्ड कार्यालय त्रिची, भोपाल, हैदराबाद और तिरुपति में है।

एमएसटीसी आज निरंतर लाभ देने वाली कंपनी है। इसने राष्ट्र के लिए धन अर्जित किया है। लाभांश, कर और लाभ के माध्यम से इसने देश के राजस्व में अपना योगदान दिया है। 2011-12 में इस कंपनी का रिकार्ड करपूर्व लाभ रु.176.15 करोड़ है और इसकी आरक्षित राशि रु.593.86 करोड़ है।

एमएसटीसी स्कैप के पुनश्चक्रण में सहयोग करता है ताकि इनका कच्चे माल के रूप में औद्योगिक उपयोग हो सके। इससे लागत खर्च कम हो जाता है। प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा की संरक्षा होती है और अंतिम रूप से पर्यावरण की रक्षा होती है।

एमएसटीसी गरीबों के उत्थान के प्रति प्रतिबद्ध है और नैगमिक सामाजिक दायित्व के निर्वाह और समुचित सेवाओं के माध्यम से वंचित नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को भी उन्नत करती है।

एमएसटीसी के पास वरिष्ठ प्रबंधकों की प्रतिबद्ध और सक्षम टीम है और छोटी, मगर शिक्षित एवं प्रभावकारी 316 कर्मचारियों की टीम कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में है।

एमएसटीसी आज | MSTC TODAY

MSTC Today, is largest standalone e-commerce company in India with a PBT of Rs. 57.20 lakh per employee which is possibly highest among the Indian Companies. MSTC is a category I, miniratna Public Sector Schedule B Company under the administrative control of Ministry of Steel, Govt. of India.

Incorporated in 1964, MSTC Ltd., a small trading company has grown into a large multiproduct diversified trading company serving the Indian industry by being a prime catalyst in sourcing of imported/domestic raw materials for the steel and allied sector.

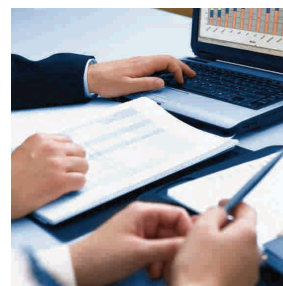
Headquartered at Kolkata, MSTC today is having regional office at Kolkata, Delhi, Chennai and Mumbai with branch offices at Bangalore, Vadodara, and Visakhapatnam. Four field offices are located at Trichy, Bhopal, Hyderabad and Tirupati.

MSTC today is a continuous profit making company creating wealth for the nation by a large contribution with its dividend, taxes and profit. Company ended up the year 2011-12 with all time record profit before tax of ₹ 176.15 Crore and has created a reserve of ₹ 593.86 Crore.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use of raw materials and thereby reduces input cost, conserves energy and natural resources and ultimately protects the environment.

MSTC is committed to the upliftment of poor and improving the quality of life of "under privileged citizens" by various CSR initiatives and appropriate services.

MSTC has a committed and competent team of senior management and a small but qualified and effective team of 316 employees located at different offices of the company.





Recycling Waste
Protecting Environment
Promoting Growth



शेयरधारकगण,

एमएसटीसी के 47वीं वार्षिक आम सभा के अवसर पर मैं आपका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। यह वर्ष आपकी कंपनी के लाभ में बढ़ोत्तरी, स्वस्थ कार्य-निष्पादन तथा उल्लेखनीय रिकॉर्ड से भरा एक और वर्ष रहा है। इस मौके पर प्रतिवर्ष आपको सम्बोधित करते हुए मुझे बेहद प्रसन्नता होती है। मुझे आपको यह सूचित करते हुए अपार खुशी हो रही है कि एमएसटीसी ने ₹ 176 करोड़ का कर पूर्व लाभ का कीर्तिमान स्थापित किया है, जो प्रति कर्मचारी कर पूर्व लाभ ₹ 57.19 लाख आता है। यह भारत अथवा विदेश की किसी भी ब्लू चिप कंपनी से अधिक प्रतीत होता है, खासकर सेवा के क्षेत्र में।

वर्ष 2011-12 में विपणन में व्यवसाय ₹ 5,746.15 करोड़ था, जबकि इसकी तुलना में वर्ष 2010-11 में यह ₹ 5,933.02 करोड़ था और सेलिंग एजेंसियों में व्यवसाय की मात्रा ₹ 16,005.03 करोड़ थी, जबकि एक वर्ष पूर्व यह ₹ 8,167.75 करोड़ थी।

ई-कॉमर्स एक लगातार विकास करनेवाला क्षेत्र है तथा आपकी कंपनी ने इसे एक प्राथमिकता वाले क्षेत्र के रूप में अपनाया है। एमएसटीसी ने “ई-एशोरिंग इंडिया” नामक एक नए एवं प्रेरणादायी नारे के साथ वर्ष 2012 की शुरुआत की है। आपकी कंपनी देश में व्यापारिक सौदे के लेन-देन हेतु एक पारदर्शी एवं झंझटमुक्त प्लेटफॉर्म प्रदान करने में खुद को समर्पित कर दिया है।

एजेन्सी व्यवसाय में कंपनी नए कारोबार के साथ कुछ ग्राहकों से पहली बार जुड़ी है-जैसे मानव केश, चाय, लौह अयस्क, क्रोम अयस्क आदि की ई-नीलामी। आपकी कंपनी देश में अकेली सबसे बड़ी ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता बन गयी है। अपने पोर्टफोलियो में व्यवसाय के नए क्षेत्रों को शामिल करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। बेहतर सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से हमने ठोस निवेश के साथ ई-कॉमर्स संरचना को मजबूत किया है, युवा अधिकारियों की नियुक्ति की है तथा प्रणाली एवं प्रक्रिया को सुप्रवाही बनाया है। विधि विभाग को भी तीन नए विधि अधिकारी की नियुक्ति से मजबूत बनाया गया है। ये विधि संबंधी मामलों को देखेंगे, जिससे कभी-कभी आपकी कंपनी को लड़ना पड़ता है।

कंपनी ने सरकारी भूखण्डों की ई-नीलामी की है, जिसकी अच्छी कीमत मिली है और हमारे ग्राहक संतुष्ट हैं। इस प्रकार के व्यवसाय की प्रचुर संभावनाएं हैं और हमें आशा है कि एक खास व्यवसाय के क्षेत्र में हम रीयल-इस्टेट की ई-नीलामी की पहचान कर सकेंगे। आपको यह भी बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि ई-खरीद, ई-नीलामी, ई-बिक्री सेवा एक वर्ष तक प्रदान करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एक करार पर हमने हस्ताक्षर किए हैं, जिसे और समय के लिए बढ़ाए जाने की सम्भावना है।

एमएसटीसी देश में पहला स्वचालित श्रेडिंग प्लांट बैठाने की प्रक्रिया में है, जो बेकार ऑटोमोबाइल एवं सफेद (व्हाइट) माल से स्टील का कूचा तैयार करेगा, जिसकी खपत इस्पात निर्माण प्रक्रिया में की जाएगी। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है, और उसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस प्रकार से आपकी कंपनी पहली बार ऑटो निर्माण उद्योग के लिए इस्पात का पुनःप्रयोग चालू करेगी, जिससे ऑटो स्टील बनाना सस्ता पड़ेगा और उद्योग के लिए अधिक असरदार होगा।

Shareholders,

I extend my heartiest welcome to you on the occasion of 47th Annual General Meeting of MSTC. This has been another year of surpassed records, healthy performance and increase in profits for your company.

It gives me immense pleasure to address you every year during this occasion. I am overwhelmed with joy to inform that MSTC has made a record profit before tax of ₹ 176 crore and per employee PBT comes to ₹ 57.19 lakh which appears to be more than any blue chip company in India or abroad especially in Service Sector.

In the year 2011-12, the business in marketing was ₹ 5746.15 crore compared to ₹ 5933.02 crore in 2010-11 and volume of business in selling agency was ₹ 16,005.03 crore compared to ₹ 8,167.75 crore year before.

E-commerce is a sun-rise sector and your company has taken it as a priority area. MSTC has launched the year 2012 with a new and inspiring slogan called “e-Assuring India”. Your company has devoted itself in providing a transparent and trouble free platform for transacting business deals in the country.

In agency business, company added a few first time customers with new lines of business such as e-auction of human hair, tea, iron ore, chrome ore etc. Your company has become the largest standalone e-commerce service provider in the country. We are still trying to get to the new areas of business included in our port folio. In order to render better services we have strengthened e-commerce infrastructure with substantial investment, recruited young officers and have streamlined the systems and procedures. Legal department has also been strengthened by recruiting three new legal officers. This will take care of legal cases that sometimes your company is made to fight.

Company also made e-auction of a Govt. plot of land which fetched very good price to the satisfaction of our customer. This type of business have huge potential and we expect to identify real estate e-auctioning as a niche area. I am also happy to inform you that MSTC has signed an agreement with Govt. of Andhra Pradesh for giving them e-procurement, e-auction and e-sale services for one year which is likely to be extended further.

MSTC is in the process of establishing first automatic shredding plant in the country which will prepare steel scrap out of rejected automobiles and white goods for ultimate consumption in steel making process. The detailed Project Report have been prepared and we are in the process of implementation. By this, your company will be introducing recycling of steel for auto manufacturing industry for the first time thereby making of auto steel cheaper and more efficient for the industry.

मुझे यह घोषित करते हुए प्रसन्नता है कि निदेशक मण्डल ने 3:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की सिफारिश की है, यानी शेयरधारकों को एक शेयर के तहत 3 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जिससे आरक्षित धनराशि ₹ 6.6 करोड़ की सीमा तक पूँजीबद्ध हो जाएगी। इसका विवरण सभा की सूचना के साथ दी गयी है एवं शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए आज उसे पेश किया जाएगा। आपको याद होगा एमएसटीसी ने वर्ष 1993 में भी 1:1 की दर से बोनस शेयर जारी किये थे।

आज की व्यावसायिक दुनिया में हमेशा अच्छी खबर ही नहीं हो सकती है। कुछ-कुछ क्षेत्र चिन्ताजनक भी हैं। विपणन में हमारे व्यापार मॉडल सामग्रियों के खिलाफ कुछ उजागर करने के लिए भी बाध्य करते हैं, जिन सामग्रियों का आयात ग्राहकों के लिए किया गया था। ग्राहकों ने माल नहीं उठाया, जिससे हमारा भुगतान फँस रहा है। इसीलिए बाजार की परिवर्तनशीलता ग्राहकों को ऐसा बाध्य करती है कि वह लचीला उत्पादन कार्यक्रम बनाता है, जिसकी वजह से निश्चित कार्यक्रम के अनुसार कच्चा माल नहीं उठाया जाता। उस सीमा तक हमें स्टॉक को रोकना पड़ेगा, जो फिलहाल एमएसटीसी के पास बंधक के रूप में पड़ा हुआ है।

I am pleased to announce that Board of Directors have recommended issue of bonus shares at the ratio of 3:1 i.e. 3 fully paid equity shares shall be allotted against one equity share held by the shareholder, by capitalizing reserves to the extent of ₹ 6.6 Crore. The details are with the notice of meeting and the same shall be placed today for approval of shareholders. It may be recalled that MSTC also issued bonus shares @ 1:1 in the year 1993.

In today's commercial world there cannot be absolute good news. There are areas of concern also. Our business model in marketing compels us to take up some kind of exposure against the materials which have been imported for the customers and customers have not lifted the materials and therefore are delaying payments to us. The volatility in steel market forces the customers to take up a flexible production schedule which leads to non-lifting of the raw materials on strict schedule basis. To that extent we have to hold the stock which however remains pledged to MSTC.

अध्यक्षीय संबोधन

CHAIRMAN'S STATEMENT

पिछले वर्ष मैंने वर्ष 2008 में किए गए सोने के निर्यात के तहत वसूली के बारे में बताया था। यद्यपि हम मुम्बई में अपने सहयोगी तथा दुबई एवं कुवैत में खरीदारों से कोई ठोस रकम की वसूली नहीं कर सके हैं, परन्तु दुबई, सिंगापुर एवं कुवैत के न्यायालयों से हमें अनुकूल फैसले मिले हैं। हमें अपने देश एवं पड़ोसी देशों की न्याय व्यवस्था पर आस्था है तथा हमें विश्वास है कि हमें न्याय मिलेगा और हम रकम की वसूली कर सकेंगे। तथापि, इस क्षण इसके लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है। देश की प्रमुख प्रवर्तन एजेंसियाँ जैसे सीबीआई एवं ईडी भी डिफाल्टरों के पीछे शख्त हैं तथा कुछ रिहाई प्राप्त होने की संभावना है।

आपकी कंपनी ने भारत सरकार द्वारा वर्ष 2011-12 के लिए निर्धारित सभी पैरामीटरों को अत्यंत कुशलता से पूरा किया है तथा आशा है कि सरकार से "उत्कृष्ट" मोऊ (MOU) की रेटिंग प्राप्त होगी।

कंपनी नैतिक एवं सर्वोत्तम अभिशासन में विश्वास करती है और इसने सरकार के सभी मार्गदर्शनों को पूरा किया है, जिसमें निगमित अभिशासन पर मार्गदर्शन शामिल है। स्टेकहोल्डर के साथ पारदर्शिता कंपनी का प्राथमिक क्षेत्र बना हुआ है। जब मैं स्टेकधारकों का नाम लेता हूँ तो इसमें शेयरधारक, ग्राहक, बैंकर, कर्मचारी एवं आपूर्तिकर्ता सभी आ जाते हैं।

कंपनी के निगमित सामाजिक दायित्व के अंतर्गत एमएसटीसी द्वारा विभिन्न सामाजिक उत्थान की परियोजनाएँ हाथ में ली गई हैं। हमने देश के विभिन्न भागों में, उत्तर प्रदेश में सामुदायिक केन्द्र, स्कूल भवन तथा अन्य ढांचागत सुविधाएँ, पेय जल की सुविधाएँ, प्राथमिक पाठशालाओं का जीर्णोद्धार, वृद्ध आश्रम आदि का निर्माण किया है।

हमने दीर्घकालिक विकास पहल के रूप में सौर ऊर्जा परियोजना को भी हाथ में लिया है। वर्ष 2011-12 में सुदूर ग्रामों में कतिपय विद्यालयों के छात्रावासों एवं वाचनालयों को सौर ऊर्जा प्रदान किए गए हैं। इस वर्ष यानी 2012-13 में विभिन्न दीर्घकालिक विकास परियोजनाओं के लिए ठोस बजट का प्रावधान किया गया है।

मैं सभी शेयरधारकों को हार्दिक धन्यवाद तथा आभार प्रकट करता हूँ, खासकर भारत सरकार को प्रमुख शेयरधारक होने के नाते, जो उन्होंने कंपनी में आस्था एवं विश्वास रखा है एवं राष्ट्र के लिए धनोपार्जन करने हेतु अपनी क्षमता का उपयोग करते हुए कंपनी का कार्य सुचारु रूप से संचालन करने में मुझे एवं मेरी टीम को सहयोग एवं समर्थन दिया है। चूँकि यह कंपनी अपने कामों को बाहरी लोगों से नहीं करवाती है, इसलिए यह पूरी तरह से अपने कर्मचारियों के ज्ञान एवं कुशलता और उनकी निष्ठा पर निर्भर है और उनमें पूरी आस्था रखती है। मैं अपने सहायक सार्वजनिक उपक्रमों, हमारे बहुमूल्य ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं तथा बैंकरों के प्रति भी शुक्रगुजार हूँ।

पूजा एवं दीपावली के लिए शुभकामनाएँ,
जय हिन्द !



एस के त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
47वीं वार्षिक साधारण सभा
5 सितम्बर, 2012

I have mentioned last year about recovery against export of gold made in the year 2008. Though we could not recover any substantial amount from our associates in Mumbai and buyers in Dubai and Kuwait, but we have been awarded favourable judgments in some cases in Dubai, Singapore and Kuwait Courts. We have faith in the judiciary of our country and the neighboring countries and believe that justice will prevail and we would be able to recover the amount. However, no timeline can be established at the moment. Country's premier enforcement agencies such as CBI and ED are also hard on the heels of defaulters and are likely to achieve breakthroughs.

Your company has excelled in all the parameters set by the Govt. for the year 2011-12 and hope to get "excellent" MOU rating from the Govt.

Company believes in ethical and best governance practices and have complied with all Govt. guidelines including guidelines on Corporate Governance. Transparency with stakeholders remains to be the thrust area of the company. When I say stakeholders, it includes shareholders, customers, bankers, employees and suppliers.

Various social upliftment projects have been taken up by MSTC under Corporate Social Responsibility initiatives of the company. We have made a community centre in U.P., school building and other infrastructure, drinking water facilities, renovation of primary school, old age homes etc. in various parts of the country.

We have also taken up solar energy project as sustainable development initiatives. In the year 2011-12, few schools in remote villages have been provided with solar energy for hostels and reading rooms. This year i.e. 2012-13 we have substantial budget to implement various sustainable development projects.

I express my heartiest thanks and gratefulness to all the shareholders particularly Govt. of India, being the major shareholder, for trust and confidence reposed on the company and support extended to me and my team who are committed to work for the company using their extended capacity and create wealth for the nation. Since this company does not out source its work to outsiders, it remains greatly dependent on sincerity, knowledge and skills of its employees and reposes immense faith in them. I am equally thankful to sister PSUs, our valued customers, suppliers and bankers.

Best wishes for Puja and Dipawali.

Jai Hind!



S. K. Tripathi
Chairman and Managing Director
47th Annual General Meeting
5 September, 2012

निदेशक मंडल की रिपोर्ट

सेवा में,
शेयरधारको,
एमएसटीसी लिमिटेड,

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 47वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि रु. 15925.91 करोड़ है। पिछले वर्ष 2010-11 में रु. 8133.56 करोड़ थी। 2010-11 के समानांतर 2011-12 का विवरण नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2011-12	2010-11
स्क्रेप और मैंगनीज ओर आदि की बिक्री	3147.68	2568.08
कोयले की बिक्री	8560.05	5565.48
आयरन ओर	4218.18	—
कुल (क)	15925.91	8133.56

ख) इ-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2011-12	2010-11
इ-प्रोक्योरमेंट	79.12	34.19
कुल (क+ख)	16005.03	8167.75

ग) व्यापार

वर्ष 2010-11 के रु.5933.02 करोड़ के विरुद्ध इस वर्ष व्यापार प्रभाग के कुल व्यवसाय की मात्रा रु. 5746.15 करोड़ है। वर्ष 2011-12 के साथ-साथ 2010-11 का ब्रेक-अप नीचे दर्शाया गया है:

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2011-12	2010-11
निम्नोक्त सामग्री का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्री	2076.00	2580.77
देशी सामग्री	3670.15	3352.25
कुल (ग)	5746.15	5933.02
महायोग (क+ख+ग)	21751.18	14100.77

DIRECTORS' REPORT

To
The Shareholders
MSTC Limited.

Directors are pleased to present the 47th Annual Report on the business and operation of the Company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2012.

A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at **Rs.15925.91Cr.**, against **Rs. 8133.56 Cr.** in 2010-11. Break-up for the year 2011-12 vis-à-vis 2010-11 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (Rs. in Crore)	
	2011-12	2010-11
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	3147.68	2568.08
Sale of Coal	8560.05	5565.48
Iron ore	4218.18	—
Total (A):	15925.91	8133.56

B) e-PROCUREMENT

Business Segment	Volume of Business (Rs. in Crore)	
	2011-12	2010-11
e-Procurement (B)	79.12	34.19
Total (A+B)	16005.03	8167.75

C) TRADING

The performance of Trading Division shows a total volume of business of Rs. 5746.15 Cr., against Rs. 5933.02Cr. in 2010-11. Break-up for the year 2011-12 vis-à-vis 2010-11 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (Rs. in Crore)	
	2011-12	2010-11
Procurement of:		
Imported materials	2076.00	2580.77
Indigenous materials	3670.15	3352.25
Total: (C)	5746.15	5933.02
Grand Total (A+B+C)	21751.18	14100.77

